News item/letter/article/editorial published on ____________ in the

Hindustan Times | Nav Bharat Times (Hindi) | M.P.Chronicle
Statesman | Punjab Keshari (Hindi) | A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.) | The Hindu | Indian Nation
Indian Express | Rajasthan Patrika (Hindi) | Nai Duniya (Hindi)
Tribune | Deccan Chronicle | The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) | Deccan Herald | Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

उत्तराखंड में आधा दर्जन पुल और सड़कें बह गईं, 10,000 तीर्थयात्री फंसे

नव-27-6-15

आफत लाया मॉनसून

■ प्रमुख संवाददाता/एजेंसियां, देहरादून/नई दिल्ली

उत्तराखंड में मॉनसून के पहली बारिश ने डर का माहौल पैदा कर दिया। शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश से रुद्रप्रयाग और चमोली जिले की लगभग आधा दर्जन सड़कें और पुल बह गए। बदरीनाथ और हेमकुंट में तकरीबन दस हजार तीर्थयात्री फंसे हुए हैं। इन्हें निकालने के लिए 7 हेलिकॉप्टर लगाए गए।

दूसरी ओर मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले 72 घंटो के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। राज्य सरकार ने भी सेना और एनडीआरएफ टीमों को अलर्ट रहने के लिए कहा है।

रुद्रप्रयाग और चमोली में हुए इस हाल से चारधाम यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। हिमालयी तीर्थों तक जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं की यात्रा थम गई है। शुक्रवार को कोई यात्री केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री नहीं पहुंच पाया। बदरीनाथ से पीपलकोठी के बीच तमाम पड़ावों पर सरकारी सूचना के अनुसार दस हजार के करीब तीर्थयात्री जगह जगह फंसे हैं।

कहां फंसे कितने तीर्थयात्री : बदरीनाथ में 300, घांघरिया में 500, पांकेश्वर में 170, हनुमान चट्टी में 325, गोविंद घाट में 890।

केदारनाथ : मंदाकिनी नदी में बाढ़ आने से केदारनाथ नैशनल हाइवे का एक हिस्सा ही बह गया।

गुजरात में चार दिनों से जारी भारी बारिश की वजह से हुई विभिन्न घटनाओं में अब तक 81 लोगों की मौत हुई है। अमरेली जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहां पिछले 48 घंटे में में 33 लोगों की मौत हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पूरे गुजरात में छा गया है।

अमरेली : बाढ़ की वजह से रेलवे ट्रैक तक सिकुड़ गया।

सोनप्रयाग : फंसे यात्रियों को केबल-कार के जरिए निकाला गया।

ब्लू ह्वेल ने समुद्र तट पर तोड़ा दम

महाराष्ट्र के रायगड़ जिले में अलीबाग से 20 किलोमीटर दूर रेवदंडा समुद्र तट पर बुधवार को घायल हालत में 42 फुट लंबी एक ब्लू ह्वेल मिली। जख्मी होने की वजह से उसकी मौत हो गई। वह हाई टाइड की वजह से किनारे आ गई थी। इसका वजन 20 टन था।

गुजरात में दो शेरनी निकलीं बाहर

गुजरात के अमरेली जिले में बाढ़ की वजह से गुरुवार को दो शेरनी जंगल से बाहर निकल आईं और एक मंदिर में पहुंच गईं। शेरनियों ने मंदिर पहुंचे दो श्रद्धालुओं पर हमला बोल दिया। 15 घंटे के अभियान में शेरनियों को कब्जे में कर लिया गया।

News item/letter/article/editorial published on 27-8-2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

ऋषिकेश में लगातार बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर

ऋषिकेश | कार्यालय संवाददाता

पर्वतीय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश से ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर शुक्रवार को खतरे के निशान को पार कर गया।

गंगा के उफनने पर तटीय इलाकों में बसे लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। जबकि गंगाघाटों पर चौकसी बढ़ाने के साथ प्रशासन ने स्नान के लिए जा रहे लोगों को लौटा दिया। देर शाम तक जलस्तर में लगातार वृद्धि जारी रही।शुक्रवार दोपहर गंगा चेतावनी के निशान (समुद्र तल से) 339.50 मीटर से ऊपर तक बही। अपरा ? तीन बजे गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 342 मीटर को छू गया। गंगा में दो लाख क्यूसेक प्रति सेकेंड से अधिक पानी प्रवाहित हो रहा है। पानी बढ़ने पर परमार्थ घाट स्थित आरती स्थल गंगा में डूबने के साथ निचले इलाके चन्द्रेश्वरनगर में पानी पहुंचने लगा, जिस पर स्थानीय प्रशासन ने लोगों से घर खाली करने को कह दिया है।

27-8-15

Covering L... YIS

News item/letter/article/editorial published on June 27.6.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

हिं-27-6-15

मानसून की पहली बारिश से यूपी में बाढ़ का खतरा

लखनऊ/ नई दिल्ली | हिटी

उत्तर प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में हुई भारी बारिश और यूपी में मानसून की पहली बारिश से खासकर शारदा तथा राप्ती नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी शुरू हो गई है। शारदा पलियाकलां में शुक्रवार को खतरे के निशान को पार कर गई।

रिपोर्ट के मुताबिक शारदा और राप्ती नदियों के जलस्तर में चढ़ाव शुरू हो गया है। शारदा नदी पलियाकलां में खतरे के निशान से 16 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। उसका जलस्तर अभी बढ़ रहा है। इसी तरह राप्ती नदी का जलस्तर काकरधारी, बलरामपुर, बांसी, रिगौली तथा बर्डघाट में बढ़ना शुरू हो गया है। बारिश के कारण बाराबंकी जिले के सफदरगंज थाना क्षेत्र के फरेरा गांव में गुरुवार रात तेज बारिश के दौरान भागू वर्मा नामक व्यक्ति का कच्चा मकान ढह गया। इसके मलबे में दबकर तीन लोगों की मौत हो गई। पिछले 24 घंटे के दौरान यूपी के पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर और पश्चिमी भागों में कई जगहों पर सामान्य से ज्यादा बारिश हुई।

झेलम में जलस्तर घटा

श्रीनगर। झेलम नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद बाढ़ संबंधी चिंताएं कम होने से कश्मीर वासियों ने राहत की सांस ली है। हालांकि दक्षिण एवं मध्य इलाकों में नदी का पानी अब भी खतरे के निशान से ऊपर है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में संगम पर जलस्तर सुबह 11 बजे कम होकर 23.80 फुट पर आ गया जबकि गुरुवार को यहां जलस्तर 27.50 फुट था। संगम में खतरे का निशान 23 फुट पर है।

Covering L. YIS

News item/letter/article/editorial published on 27.6.15 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

दिल्ली के हिस्से में सिर्फ 30 दिन बारिश

नई दिल्ली | मदन जैड़ा 27-6-15

चार महीनों के मानसून सीजन में दिल्ली में महज 30 दिन और चेन्नई में सिर्फ 27 दिन ही मेघ मेरबान होते हैं। पूरे साल भर की बारिश के हिसाब से दिल्ली बेहद शुष्क है और यहां सिर्फ 41 दिन ही बारिश होती है। लेकिन अब बारिश में भी लगातार कमी के रुझान मिल रहे हैं।

मानसून विभाग ने 1971 से लेकर 2007 तक के मानसूनी बारिश के आंकड़ों पर अध्ययन किया है जिसमें प्रमुख महानगरों के बारिश के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। उत्तर भारतीय राज्यों के शहरों में बारिश कम हो रही है। हालांकि यह बात हर जगह लागू नहीं होती। समुद्र के किनारे बसे चेन्नई भी मानसूनी बारिश का मोहताज है।

मुंबई में सबसे ज्यादा बारिश होती है। वहां मानसून सीजन में 73 दिन बारिश होती है। जबकि कोलकाता में 62, देहरादून मे 64, डिब्रूगढ़ में 72, शिलांग

मानसून का हाल

- दिल्ली और चेन्नई में मानसून के दौरान सबसे कम बारिश के दिन
- दिल्ली में मानसूनी बारिश में भी 21 फीसदी की कमी हुई है

मे 68 दिन बारिश होती है। डलहाउस यूनिवर्सिटी कनाडा के डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एंड एटमॉसफेयरिक सांइसेज एवं टेरी यूनिवर्सिटी के संयुक्त अध्ययन में एक और बात भी सामने आई है कि दिल्ली और बेंगलुरु में बारिश के दिन हालांकि पहले से कुछ बढ़े हैं लेकिन इस दौरान इसमें 21 फीसदी की कमी आई है।

शोधकर्ता डॉ. शैलेश कुमार, अनु रानी शर्मा एवं रमेश पी. सिंह दिल्ली में मानसूनी बारिश की कमी की वजह पर कहा है कि मानसून पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव व अन्य पर्यावरणिक कारण हो सकते हैं। दिल्ली में पूरे साल पर नजर डालें तो औसत 41 दिन बारिश होती है और कुल बारिश 784 मिमी ही हो पाती है। जबकि मुंबई में साल में 79 दिन बारिश के होते हैं।

किसके हिस्से कितनी

दिल्ली	30
मुंबई	73
कोलकाता	62
चेन्नई	27
हैदराबाद	36
पटना	44
वाराणसी	42
इलाहाबाद	39
कानपुर	36
लखनऊ	38
देहरादून	64
बरेली	38
आगरा	31
रांची	46
जयपुर	28

Covering L. YS

News item/letter/article/editorial published on Tue. 27.06.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	~~M.P.~~ Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi) ✓	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

बारिश का पानी बन सकता है आमदनी का जरिया

पं.के. 27-6-15

वाशिंगटन, (भाषा): भारत में सब्जियों की सिंचाई के लिए संग्रहित वर्षाजल पानी के बिल को घटा सकता है, कैलोरी की मात्रा में इजाफा कर सकता है और यहां तक कि आमदनी का दूसरा जरिया हो सकता है। नासा के उपग्रह के आंकड़ों का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने यह बात कही है। अध्ययन नासा और जापान अंतरिक्ष अन्वेषण एजेंसी के बीच का संयुक्त अभियान उष्णकटिबंधीय वर्षाजल आकलन मिशन के आंकड़ों पर आधारित है। इसमें 1997 और 2015 के बीच उष्णकटिबंध और उप उष्ण कटिबंध क्षेत्र में वर्षाजल का आकलन किया है। यूटा यूनिवर्सिटी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में अध्ययन सहायक डेन स्टोउट ने बताया, ''भारत को अपने सभी बाशिंदों को पीने योग्य पानी मुहैया कराने में दिक्कतें आती हैं।

News item/letter/article/editorial published on 27.6.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अहमदाबाद में बारिश के पानी से भरा कांकरिया तालाब।

बारिश का कहर : अमरेली जिले में सबसे ज्यादा 26 मौतें

पत्रिका-27-6-15

वर्षाजन्य हादसों में 70 मरे

अहमदाबाद @ पत्रिका

patrika.com

भारी बारिश के कारण अब तक राज्य में 70 जनों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा 26 मौतें बुरी तरह प्रभावित अमरेली जिले में हुईहैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री व प्रवक्ता नितिन पटेल ने यह जानकारी दी। गुजरात राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष की ओर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक भरूच, जामनगर, कच्छ व राजकोट जिले में 5-5 जनों की मौत के समाचार हैं।

देवभूमि द्वारका जिले में चार तथा भावनगर, जूनागढ़ व सुरेन्द्रनगर में 3-3 जनों की मौत हुईहै। दाहोद, महेसाणा, मोरबी व सूरत जिले में 2-2 तथा खेड़ा, पोरबंदर व वलसाड में एक-एक की मौत हुई है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता की घोषणा की है। प्रभावित गांवों के लोगों को दस दिनों की मजदूरी व घरेलू खर्च को लेकर सहायता एक साथ दी जाएगी। इसके अलावा संपत्ति व अनाज खोने वाले लोगों को भी वित्तीय मदद देने की योजना है। पटेल के अनुसार सरकार ने प्रभावित जिलों के स्थानीय प्रशासन को विस्तृत सर्वे का निर्देश देते हुए नुकसान के बारे में निश्चित करने को कहा है।

उत्तराखंड में फंसे 300 को लाने की कवायद

राज्य सरकार ने जिला कलक्टरों से मंगाई जानकारी

अहमदाबाद. उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते चारधाम की यात्रा रोक दी गई है। इसके चलते गुजरात से गए करीब 300 यात्रियों के उत्तराखंड के जोशीमठ और उसके आसपास इलाकों में फंसे हैं। राज्य सरकार ने उत्तराखंड में फंसे लोगों को गुजरात लाने की कवायद शुरू कर दी है। इसके चलते राज्य सरकार ने सभी जिला कलक्टरों से चारधाम यात्रा पर गए यात्रियों की जानकारी मंगाई है। हालांकि चारधाम यात्रा पर गए यात्री सकुशल हैं। चारधाम यात्रा पर गए अमरनाथ यात्री मंडल के अध्यक्ष और जूनागढ़ निवासी बिपिन जोशी ने बताया कि केदारनाथ और बद्रीनाथ जाते समय रास्ते में भारी बारिश के चलते पुलिए क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इससे मार्ग बंद हो गया है। प्रशासन ने दो दिनों तक जाने आगे जाने की अनुमति नहीं दी है। फिलहाल एक गेस्ट हाउस में ठहरे हैं। किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं है। चारधाम यात्रा पर गए सूरत निवासी तुलसीभाई बताते हैं कि मालूम होता है तो हरिद्वार या ऋषिकेश में ही रुक जाते हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ जाने का मार्ग ज्यादा खराब है फिलहाल मार्ग जल्दी खुलने के आसार नजर नहीं आते। यदि जल्दी मार्ग नहीं खुलेगा तो वापस ऋषिकेश आ जाएंगे।

News item/letter/article/editorial published on 27.6.15 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अनदेखी : ओवरफ्लो होने पर पानी नापेगा गुजरात का रास्ता, सुरंग का दरवाजा जंग से हो गया जर्जर

पत्रिका-27-6-15

देवास का पानी आना मुश्किल

रत्नेश दमामी . उदयपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

शहर के हलक तर करने के साथ झीलों में पानी भरने में अहम भूमिका निभाने वाले बांध देवास-प्रथम से इस मानसून में पानी का उदयपुर लाया जाना मुश्किल लग रहा है। बांध की सुरंग का सल्यूस (निकासी दरवाजा) जंग लगने से जर्जर एवं बेकार हो चुका है। इस कारण विभाग ओवरफ्लो होने की स्थिति में दरवाजा नहीं ऊपर उठाया जा सकेगा। नतीजतन, पानी सुरंग में नहीं डाला जा सकेगा। इसके चलते ओवरफ्लो पानी के बहकर गुजरात जाने की आशंका है।

परियोजना का खाका

125 एमसीएफटी भराव क्षमता के इस बांध का ओवरफ्लो गुजरात की ओर है। जब भी बांध ओवरफ्लो होता है, झाड़ोल होता हुए गुजरात पहुंचता है। शहर तक पानी लाने के लिए करीब साढ़े तीन किलोमीटर लम्बी सुरंग है। अलसीगढ़ के पास सुरंग का सल्यूस है। यह बांध से पानी उदयपुर लाने के लिए ही खोला जाता है।

देवास प्रथम टनल की चाबियां, जो जंग लगने से खराब हो गई तथा देवास टनल के गेट, जिन पर लगी जंग। प्रमोद सोनी

जिंक का साथ

सत्तर के दशक में केवल पेयजल के लिए जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर अलसीगढ़ में उक्त बांध का निर्माण करवाया गया था। इसमें से 30 प्रतिशत पानी हिंदुस्तान जिंक के लिए आरक्षित किया गया था। इसके चलते निर्माण की राशि में भी जिंक का सहयोग रहा।

बस पत्र व्यवहार

यह मामला गत वर्ष के अंत में जल संसाधन विभाग के सामने आ गया था, लेकिन अधिकारी जलदाय विभाग से पत्र व्यवहार में ही लगे रहे। कभी गंभीरता से मामले को प्रशासन के समक्ष नहीं रखा और अब मानसून सिर पर आ गया।

रिसाव के साथ जाम

पानी के चलते दरवाजा जंग के घेरे में आ गया। जंग ने पूरे दरवाजे को अपनी गिरफ्त में ले लिया और विभागीय अधिकारी हाथ बांधे रहे। गत वर्ष बारिश के बाद दरवाजे के रूटीन चेकअप के दौरान उसके पूर्णतः खत्म जाने की बात सामने आई। न केवल सल्यूस गेट से पानी का रिसाव हो रहा था, बल्कि जाम हो गया था।

नहीं मिलेगा पानी

सामान्य बारिश में भी विभाग इस बांध से 30-40 एमसीएफटी पानी उठा लेता है। बांध भरने पर इस मात्रा को 50-60 एमसीएफटी तक बढ़ा लिया जाता है। इस बार सुरंग का दरवाजा नहीं खुला, तो शहर को बांध का पानी नहीं मिल सकेगा और जलापूर्ति के लिहाज से जयसमंद, मादड़ी, फतहसागर, पीछोला पर निर्भर रह जाएगा।

चूंकि बांध का पानी जलदाय विभाग ही ले रहा है अतः हमने 16 लाख रुपए का एस्टीमेट भेज दिया। हम क्या कर सकते हैं। **-अशोक बाबेल,** कार्यवाहक अतिरिक्त मुख्य अभियंता, (अधीक्षण अभियंता उदयपुर वृत्त), जल संसाधन विभाग उदयपुर जोन

हमने छह माह पहले प्रस्ताव बनाकर उच्चाधिकारियों को भेज दिया है। प्रस्ताव की स्वीकृति का इंतजार है। **- दुर्गेशकुमार गौड़,** अधीक्षण अभियंता, जलदाय विभाग

News item/letter/article/editorial published on ____ in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi) ✓	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

देश में छाया मॉनसून, पर बारिश में कमी

नव- 28-6-15

■ प्रस, स, नई दिल्ली : पांच दिन की देरी से केरल पहुंचने के बावजूद मॉनसून ने पूरे भारत को घेर लिया है। दिल्ली में मॉनसून के पांच दिन पहले आने के एक बावजूद फिलहाल 1 जुलाई से पहले बारिश के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। यहां गुरुवार को मॉनसून के बादलों ने दस्तक दे दी थी, लेकिन वह ज्यादा बरसे नहीं। स्काईमेट का कहना है कि मॉनसून के बादलों ने वैसे तो पूरे देश में डेरा डाल दिया है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में देश के बहुत से इलाकों में बारिश में कमी आई है। वैसे, देश में इस समय तक औसत से 27 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। पिछले साल जून में करीब 41 प्रतिशत कम बारिश हुई थी। मौसम वैज्ञानिक मॉनसून पर अलनीनो के खतरे के बारे में भी आगाह कर रहे हैं। फिलहाल अरब सागर के ऊपर बादलों में कमी आई है। माना जा रहा है कि ऐसा अलनीनो के कारण भी हो सकता है। अमेरिकी वेदर एजेंसी ने जुलाई में अलनीनो के कारण देश में बारिश कम होने की आशंका जताई है।

दिल्ली में अगले दो दिनों तक लोगों को गर्मी और उमस परेशान कर सकती है। शनिवार को उमस का अधिकतम स्तर 71 पर्सेंट दर्ज हुआ। मैक्सिमम टेंपरेचर 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान नॉर्मल से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा के साथ 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 29 जून की शाम को एक बार फिर वेस्टर्न डिस्टरबेंस दस्तक देने वाला है। इससे मौसम में फिर बदलाव होने की संभावना है।

Heavy rain halts pilgrims' prog

DOWNPOUR Chaar Dhaam and Kailash Mansarovar pilgrims rescued, several rivers flow above danger n

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

DEHRADUN: The pilgrimages of Chaar Dhaam and Kailash Mansarovar were halted on Friday after heavy rainfall in the state over two days created dangerous conditions. While several roads were blocked, a few bridges were washed away as well.

On Friday, rescue teams airlifted stranded pilgrims from the Kedarnath shrine and the Sikh shrine of Hemkunt Sahib. Chief minister Harish Rawat, meanwhile, claimed the situation was normal and the government was 'regulating' the pilgrimages.

Several rivers in the state are flowing close to the danger mark — the Ganga on Friday had risen to 292.95 metres, just 1.5 metres below the danger mark.

According to the State Disaster Management and Mitigation Centre, a bridge connecting Sonprayag and Gaurikund en route to Kedarnath was washed away in the gushing waters of the river.

A total of six bridges have been washed away on the routes leading to Kedarnath, Badrinath and Hemkunt Sahib. With engineers and other personnel busy with restoration work, these bridges will be opened to the public by Saturday, said Rawat. He also pegged the total loss from the rains at ₹50 crore.

Additional chief secretary (ACS) Rakesh Sharma, who left for Hemkunt Sahib on Friday morning, said that 900 pilgrims were airlifted to safer places while an equal number was rescued by the road route.

"Only 40 priests are left now at Kedarnath temple. 2,500 people are staying at lodges near Badrinath; they said they will only leave once the route is restored," he said.

A high-powered team, comprising Sharma and various secretaries, employed four helicopters to fly out to Joshimath from Dehradun on Friday morning in order to study conditions there. "We are constantly in touch with the district magistrates and other officials about the situation," said Sharma.

> ONLY 40 PRIESTS ARE LEFT NOW AT KEDARNATH TEMPLE. 2,500 PEOPLE ARE STAYING AT LODGES NEAR BADRINATH; THEY SAID THEY WILL ONLY LEAVE ONCE THE ROUTE IS RESTORED
>
> RAKESH SHARMA, Additional chief secretary

■ The Mandakini river at Rudrapryag in Uttarakhand swells on Thursday. A total of six bridges have been washed away. PTI

Guj toll touches 80, ₹4 lakh ex gratia for kin

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

AHMEDABAD: The death toll due to heavy rains and floods in Gujarat increased to 80 even as waters receded in most parts of the state and there was no downpour in the last 24 hours. Amreli district in Saurashtra has been the worst hit region, with more than 30 people dead. Torrential rains on Wednesday washed out roads, farms, railway tracks, bridges and electricity poles.

"The government has decided to give compensation of ₹4 lakh each to families of the deceased. In addition, we have also decided to give cash doles for the next 10 days to people in affected areas," Gujarat health minister and spokesperson of the government Nitin Patel said.

"We have asked authorities of the affected districts to carry out surveys to determine the loss. We will provide financial aid to those who have lost crops, livestock, houses and other properties, as per government norms," he said.

"People in Amreli and those elsewhere have suffered huge damages as farms have been washed out and houses damaged. The state government must announce a special package and also enhance compensation to ₹5 lakh," said Gujarat Congress leader Nishit Vyas.

"The state government machinery is working only on papers. Over 300 villages of Amreli district still have no electricity," said Amreli Congress MLA Paresh Dhanani.

A delegation of Gujarat Congress leaders met state chief secretary GR Aloria to demand a special package for those affected by the floods. "The relief operation is underway in all the affected areas, and water has also retreated with no rains," said a senior government official involved in relief operations.

Locals rescue CRPF men in Kashmir

Toufiq Rashid
toufiq.rashid@hindustantimes.com

SRINAGAR: The Valley saw a role reversal on Thursday as locals rescued CRPF personnel trapped in flash floods in Kulgam district of south Kashmir.

According to eyewitnesses, CRPF personnel of 18 Battalion were trapped in flood-hit Qaimou area. The locals helped the security men take their vehicles out of water and also gave them shelter till the storm was over.

Parts of south Kashmir such as Kulgam and Pulwama were hit by flash floods due to incessant rains on Wednesday. The security men were on the way to their camp when the water stalled the movement of their vehicle. According to reports, 10 CRPF vehicles were trapped due to damage caused to the bridge on Vaishwa Nalla.

CRPF public relations officer based in Srinagar, Ashish K Jha, helpful in getting the trapped vehicles out of water. "The local drivers have been very helpful as they have expertise in handling vehicles in such adverse weather conditions," said Jha. "There were 110 men in 10 vehicles. This battalion also has many

Jha said some residents also provided food to the soldiers and gave them shelter for the night. The battalion was later taken out of the inundated area by its colleagues. Flood alert has been sounded in the Valley after incessant rains and flash floods lashed

■ A flood alert was issued in the Valley after Jhelum and other rivers crossed the danger mark. HT FILE

News item/letter/article/editorial published on June - 27.06.2015 in the

Hindustan Times ✓	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

'Rainfall to see considerable dip in next 15 days'

Zia Haq
• ziahaq@hindustantimes.com

NEW DELHI: A surprisingly feisty southwest monsoon has resulted in 24% surplus rainfall across India, leading to deadly floods in some parts while easing worries of a drought. But here's the upshot: mid-July onwards could be bad and August nasty.

We have not yet beaten the El Nino weather pattern but have definitely been better off so far with robust showers.

"There will be a considerable dip in rainfall activity in the next 15 days," a Met official said. July delivers over a third of the rainy season's total precipitation. Mid-July is when summer crops, accounting for nearly half of the country's annual food output, need a second round of watering.

The Met has forecast the monsoon will be within 88% of the average of 89 centimetres (35 inches). That is a "deficient" monsoon, a notch lower than the milder "below normal" category. Within 94-106%, the monsoon is normal.

The upswing in June has been phenomenal. For instance, the 44% higher rainfall from June 18-24 allowed farmers to sow a range of crops. These rains replenished 91 nationally important reservoirs, whose levels now stand at 146% more than the 10-year average and, therefore, a surplus.

So, are we home with a normal monsoon? Not really, if you read the risk factors. The answer lies in a meteorological tug-of-war in the oceans. Forecasters are closely watching a key Indian Ocean barometer, called the Indian Ocean Dipole (IOD), that can at times protect the monsoon from being shot down by the El Nino.

The IOD is the difference in sea-surface temperature between two poles in the ocean — a western pole in the Arabian Sea and an eastern pole in the Andamans. In this fight between the IOD and El Nino, if the former remains "neutral or positive", the monsoon wins. It is currently neutral, which explains the June rains.

News item/letter/article/editorial published on June 27.06.2015 in the

Hindustan Times ✓
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Few farmers sign up for mobile weather alerts

Kumar Sambhav Shrivastava
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Only one in nine farming families has signed up for SMS-based weather alert services offered by the government and private players because of lack of awareness and the absence of a concerted push by states. Data from the India Meteorological Department (IMD) and the National Sample Survey Organisation show that 10.2 million of India's 90 million farming families use such services that had hoped to revolutionise systems for dissemination of agricultural information for farmers whose lives depend on the weather.

The government's mKisan web portal, launched in 2013 to send weather and agriculture-related information via SMS and voice messages on farmers' mobile phones, sends alerts to just 7.7 million farming families while another 2.5 million get SMS alerts through non-government agencies and the IMD's field units."Timely and region-specific alerts are important because weather patterns change every 10 kilometres in India and each activity in the cycle of a crop is guided by the timing of the arrival and duration of rainfall," said Anshuman Das, an agriculture expert with development agency WeltHungerHilfe. "Failure to meet these timings affects farm productivity."

mKisan, which aims to tap nearly 380 million mobile phone connections in rural areas, allows farmers to register their phone numbers so that central and state agencies can send information based on their location, crop preference and language.

IMD deputy director general and head of the agricultural meteorology division N Chattopadhyay said he was optimistic that the reach of mobile-based weather alerts would increase "exponentially" in the near future as 7,00,000 new users registered last month in Maharashtra alone.

WEATHER ALERTS

Farmers receive IMD weather alerts from various services:

7,736,846 receive alerts from mKisan

1,123,078 get alerts from IFFCO Kisan Sanchar Limited

1,30,198 from Agricultural Meteorological Field Units

9,01,849 from Nokia

2,10,026 from Reuter Market Light

92,500 from Mahindra & Mahindra

50,000 from NABARD

17,000 from Reliance Foundation

14,116 from Handygo

SOURCE: IMD

News item/letter/article/editorial published on June 27.06.2015 in the

Hindustan Times ✓
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

study

Sangam Vihar residents face water shortage as borewells are sealed HT 27

Ritam Halder
ritam.halder@hindustantimes.com

NEW DELHI: The National Green Tribunal in an order last year stressed on the need to seal borewells and asked the authorities to ensure that there is no illegal extraction of groundwater in any manner whatsoever.

The reality on the ground, however, hasn't changed much.

For residents of Sangam Vihar, it has meant increase in water scarcity. Vinay Gupta, a resident of Shani Bazar, says it has added to his woes. "Many borewells in our locality have been sealed. It means less water for people like us. Even though the water wasn't of very good quality, it used to take care of our needs. Now we have to buy water from private tankers," Gupta said.

The Economic Survey of Delhi 2014-15 states that Delhi Jal Board has 3,961 functional tube wells and 14 ranney wells.

Residents, however, say that most of these borewells are not functional. Ashok Bhasin, president of the North Delhi RWA Federation, says many tube-wells in various parts of the city have gone dry.

"The groundwater level has been depleted and thereby many hand pumps have gone dry. Every time it rains, the rain water seeps in and some gases are emitted. But none of these hand pumps have been sealed," Bhasin said.

The Delhi Jal Board says it has been making sure no contaminated ground-water reaches people of Delhi.

■ Ashok Bhasin, president of RWA federation in North Delhi, shows the dilapidated condition of the water harvesting pit near Malka Ganj in North Delhi. RAJ K RAJ/HT PHOTO

DJB CEO SS Yadav said, "In Delhi, extraction of groundwater has been regulated and prior permission of district advisory committees is necessary for the same. This has reduced over-exploitation of groundwater."

According to him, in some parts of Delhi, groundwater is not fit for use and it requires desalination.

"Areas where there is no piped water supply, people tend to draw groundwater from hand pumps from upper shallow aquifers. The DJB carries out survey and such hand pumps are painted red, where water is not found to be fit and public is advised not to use their water. DJB installs tube wells at those places where groundwater is fit for drinking purpose," Yadav said.

DELHI JAL BOARD SAYS IT HAS BEEN MAKING SURE NO CONTAMINATED GROUNDWATER REACHES THE PEOPLE OF THE CAPITAL CITY

Areas where there is no piped water supply, people tend to use hand pumps to draw groundwater from shallow aquifers, DJB says. RAJ K RAJ/HT PHOTO

HEALTH HAZARDS Reports say groundwater contains high amounts of lead and fluoride

Mallica Joshi
mallica.joshi@hindustantimes.com

NEW DELHI: Unfit for human consumption - that is what government agencies say groundwater in many parts of the city has become.

NEXT WEEK
Is filtering water (reverse osmosis) the way out for Delhi?

Large parts of Delhi, especially unauthorised colonies, still go without piped water supply. According to the Economic Survey of Delhi 2014-15, 18.7% households don't have access to piped water.

What majority of these people rely on is groundwater pumped by borewells — legal and illegal — across the city.

According to NASA's Gravity Recovery and Climate Experiment (GRACE) satellites, groundwater is fast becoming dear and India has one of the worst stressed aquifer systems in the world.

As per data collected from the satellites and analysed by the University of California, the Indus Basin aquifer in India and Pakistan is the second-most overstressed in the world. There is no natural replenishment to make up for usage, the study said. The most overstressed aquifer system in the world is the Arabian Aquifer System.

According to the study, the most overburdened aquifers are in the world's driest areas, where populations draw heavily from underground water. The findings of the study were published in the journal Water Resources Research.

In Delhi, however, the problem is not just of drying up aquifers but also of polluted water resources.

THE DEEPER YOU GO INTO THE EARTH FOR WATER, THE BRACKISHNESS AND SALINITY OF WATER INCREASES

Numerous reports published by government agencies over the years have found that groundwater in Delhi contains high amounts of nitrates, lead and fluoride. It has also been found that as you go deeper into the earth for water, the brackishness and salinity of water increases. In Delhi, brackish water is found at around 25 metres deep. Many areas, especially in south and southwest Delhi have already dug deeper than that.

But residents of Hauz Rani do not need a government report to tell them that the water they have been pumping from illegal borewells is contaminated.

"We can taste and smell that the water is not fit for consumption. Those who have more money buy expensive filtration systems but we can only boil the water. We don't have a DJB connection and can only rely on groundwater," said Nasreena, who goes by her first name.

While efforts are being made to expand Delhi's piped water map, getting people to join in is also a challenge.

The problem does not stop there. Industry effluents, leachate from landfill sites and seepage of sewer into storm water drains are all contributing to increasing pollution of groundwater sources.

News item/letter/article/editorial published on ____ in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Weather clears up, Valley breathes easy as flood threat abates, for now

Met predicts sunny days for a week with isolated showers

ISHFAQ TANTRY
TRIBUNE NEWS SERVICE

Vehicles ply in Anantnag district as the Jhelum waters recede on Friday. TRIBUNE PHOTO: AMIN WAR

SRINAGAR, JUNE 26
The Jhelum river continues to flow above the danger mark in Srinagar, but the flood threat has been averted as the water levels at Sangam in south Kashmir and Ram Munshi Bagh gauge point in Srinagar continued to recede throughout the day.

This was aided by an improvement in the weather, with a bright sunny day across Kashmir today. The Met authorities have predicted more days of sunshine ahead.

The peak water level in the Jhelum here was recorded at 21.60 feet at 3 am on Friday, but just after an hour at 4 am, the level started receding, with the gauge at Ram Munshi Bagh recording 21.55 feet.

"The flood threat has been averted and the situation in Srinagar is under control as the water in the Jhelum started receding this morning," said Javed Jaffer, Chief Engineer, Irrigation and Flood Control, Kashmir.

Moreover, the Met Department in Srinagar has predicted a dry week ahead in Kashmir. "It will be mostly sunny for almost a week, with small showers at isolated places in Kashmir," said Met Director Sonam Lotus.

At Sangam, the Jhelum flowed at danger level up to 1 pm today, however as the water receded, the red mark, indicating flood danger, turned into orange at 2 pm when the water level was recorded at 22.95 feet. Since then, the trend of water receding at Sangam in south Kashmir continued, where a day earlier on Thursday, flash floods damaged four main bridges in Kulgam district on the Vaishow nullah, one of the main tributaries of the Jhelum.

By 4 pm on Friday, the gauge reading at Sangam was 22.30 feet, well below the danger mark, whereas at Ram Munshi Bagh gauge in Srinagar, the water level had receded to 20.85 ft but continued to be in red zone or danger mark.

News item/letter/article/editorial published on June 27.06.2015 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

As rain gods smile, farmers plant more pulses and oilseeds

HARISH DAMODARAN
NEW DELHI, JUNE 26

CONSUMERS CAN hope for some relief from spiralling dal and edible oil prices, with farmers significantly stepping up sowing of pulses and oilseeds on the back of bountiful monsoon rain.

This comes even as the Met department announced Friday that the south-west monsoon has now covered the entire country and the season's overall rainfall has so far been nearly 27 per cent higher than the normal average for this period.

The good spell of rains in June across central, western and southern India has led to the progressive area planted under kharif pulses nearly doubling to 11.04 lakh hectares (lh), from 6.14 lh covered during this period last year, while going up more than five times in the case of oilseeds (from 5.29 to 27.89 lh).

The main pulses-growing states — Karnataka, Maharashtra and Madhya Pradesh (MP) — have reported substantial jump in sowing of arhar (toor or pigeon-pea), moong (green gram) and urad (black gram) this time. Likewise, there has been a huge jump in acreages under soyabean in MP (from practically zero at this time last year to 15.82 lh) and groundnut in Gujarat (from 0.64 lh to 3.71 lh) and Andhra Pradesh (from 0.48 lh to 0.91 lh), thanks to monsoon's timely arrival.

This is good news also for consumers, who have seen dal prices soar by roughly 50 per cent over the last one year. Mustard oil is, likewise, currently retailing at around Rs 125 per kg in Delhi compared to Rs 100 a year ago, while groundnut oil prices in Ahmedabad have soared from Rs 85 to 120 a kg for this period. Low domestic production has also resulted in India's aggregate import bill on edible oils and pulses climbing from $9.08 billion in 2013-14 to $ 12.46 billion in 2014-15.

"The picture on pulses and oilseeds is encouraging as of now, though a lot will depend on July and August rains. June rains are important for sowing, but contribute less than a fifth of the season's total rainfall. Plant growth and yields will be mainly influenced by how the monsoon plays out in the next couple of months," an Agriculture Ministry official pointed out.

The monsoon's better-than-expected performance so far has also enabled increase in acreages under cotton and coarse grains such as maize. However, rice area has fallen.

The main reason for that is the monsoon rains have not been that good in the Indo-Gangetic plains stretching from Punjab and Haryana to Uttar Pradesh, Bihar and West Bengal.

"Transplanting has been generally slow in these states, but will pick up given the monsoon's spread and the good spell of rains in the last couple of days. Besides, from an inflationary perspective, there is not much to worry on the rice front, as the government has enough stocks in its godowns. Our primary concern now is pulses and oilseeds," the official added.

KHARIF CROP ACREAGE IN LAKH HECTARES*

	Normal	2015	2014
Rice	35.68	23.28	25.04
Pulses	7.10	11.04	6.14
Arhar	2.36	3.99	1.53
Urad	1.29	2.00	0.72
Moong	1.99	3.43	2.00
Oilseeds	7.31	27.89	5.29
Soyabean	1.18	20.34	1.46
Groundnut	4.54	6.42	2.58
Coarse grains	15.82	19.28	16.74
Maize	10.57	14.18	11.32
Bajra	1.94	1.47	2.59
Jowar	1.59	2.01	1.24
Cotton	31.45	34.87	29.07
Jute & Mesta	8.19	7.69	7.98
Sugarcane	45.31	41.58	43.92

*Progressive coverage as on June 26.

Covering L... YIS